कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

CBKG-001

भारतीय कालगणना में प्रमाण-पत्र कार्यक्रम

(सी. बी. के. जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2023

सी.बी.के.जी.-001 : भारतीय एवं वैश्विक परिप्रेक्ष्य में काल-चिन्तन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 70*

नोट : इस प्रश्नपत्र में **दो** खण्ड हैं। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 10×4=40

   (क) भारतीय दर्शन में काल की अवधारणा का विवेचन कीजिए।

   (ख) कालगणना में सृष्टि-रचना का महत्व लिखिए।

   (ग) ज्योतिष से क्या अभिप्राय है ? ज्योतिषशास्त्रों के अनुसार काल का स्वरूप लिखिए।

(घ) "पुराणों में केवल मिथकीय कथाएँ नहीं, बल्कि काल जैसे विज्ञान के विषय भी हैं।" इस कथन की सोदाहरण पुष्टि कीजिए।

(ङ) जैन दर्शन में काल-तत्व के स्वरूप का विवेचन कीजिए।

(च) सेमेटिक मत में काल को अवधारणा का उल्लेख कीजिए।

(छ) काल की भारतीय तथा पाश्चात्य अवधारणा के अन्तर को लिखिए।

(ज) भारतीय मत में काल-ज्ञान के आधारों का वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **छः** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×6=30

(क) काल की वैदिक अवधारणा क्या है ?

(ख) काल और दर्शन में सम्बन्ध को लिखिए।

(ग) चक्रीय तथा एकरैखिक काल से क्या अभिप्राय है ?

(घ) पृथ्वी की गतियाँ कौन-कौन सी हैं ?

(ङ) काल की मुख्य **दो** विशेषताएं लिखिए।

(च) भारतीय मत में ग्रहों से क्या अभिप्राय है ?

(छ) विषुव किसे कहते हैं ?

(ज) संक्रान्ति से क्या अभिप्राय है ?